ISSN - 2348-2397
APPROVED UGC CARE
SHODH SARITA
Vol. 7, Issue 28, October to December 2020
Page Nos. 203-207
AN INTERNATIONAL BILINGUAL PEER REVIEWED REFEREED RESEARCH JOURNAL

राजस्थान में कोविड–19 महामारी के दौरान सम्पत्ति अपराध : आधिकारिक आँकड़ों की तुलना (जनवरी – जुलाई, 2020)

❒ रामअवतार जाट*
डॉ. सबिहा खान**

ABSTRACT

कोविड–19 महामारी ने दुनिया भर में मानव जीवन को बूरी तरह प्रभावित किया है। आज विश्व की कई अर्थव्यवस्थाएं खतरे में है, और अभूतपूर्व मानवीय एवं सामाजिक आर्थिक नुकसान हो रहा है तथा संभावना है कि इसका अपराध पर भी प्रभाव पड़ा है। प्रस्तुत शोध पत्र की प्रकृति वर्णनात्मक है, यह राजस्थान में कोविड–19 महामारी के दौरान हुए विभिन्न सम्पत्ति अपराधों पर आधारित है। इस शोध कार्य में लॉकडाउन के दौरान विभिन्न सम्पत्ति अपराधों (डकैती, लूट, गृहभेदन, चोरी) में आए परिवर्तन की तुलना पिछले वर्ष के अपराध स्तर से की गई है। हमने जनवरी से जुलाई माह तक सम्पत्ति अपराधों की माहवार वृद्धि तथा योगदान में आए परिवर्तन का भी अध्ययन किया है। अपराधों के सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए प्रतिशत व अपराध वृद्धि दर का सहारा लिया गया है। लॉकडाउन के दौरान सम्पत्ति अपराधों में पिछले वर्ष की तुलना में भारी कमी तथा अनलॉकिंग के दौरान अपराधों में उत्तरोत्तर वृद्धि मुख्य निष्कर्ष रहे है।

Keywords: *कोविड–19, कोरोना वायरस, सामाजिक दूरी, लॉकडाउन व सम्पत्ति अपराध।*

परिचय

कोविड–19 महामारी का सम्बन्ध कोराना वायरस परिवार से है। यह अब तक की सबसे भयानक महामारी है, जिसकी शुरूआत दिसम्बर 2019 में चीन के वुहान शहर से हुई और कुछ ही समय में इसका प्रसार दुनिया भर में हो गया। वायरस से संक्रमित मामलों एवं मौतों में तीव्र वृद्धि को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 30 जनवरी को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल तथा 11 मार्च को वैश्विक महामारी घोषित किया (World Health Organization, 2020)। भारत में कोराना वायरस का पहला मामला केरल में आया, जबकि राजस्थान में इसकी शुरूआत जयपुर से हुई। वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सभी देशों द्वारा सख्त लॉकडाउन लागू किए गए है। भारत सरकार ने 24 मार्च, 2020 को देशभर में 21 दिनों तक पूर्ण लॉकडाउन की घोषणा की, इससे पहले 22 मार्च को राजस्थान लॉकडाउन लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना (Department of Medical, Health & Family Welfare, 2020)। राज्य में 15 अपैल से 3 मई तक लॉकडाउन का दूसरा चरण रहा। लॉकडाउन के सामाजिक आर्थिक नुकसान को कम करने के लिए केन्द्र सरकार ने कोविड–19 मामलों की संख्या और वायरस के प्रसार के आधार पर भारत भर के जिलों को वर्गीकृत करके प्रतिबंधों में ढील दी। राजस्थान में 4 मई से 31 मई तक लॉकडाउन का तीसरा और चौथा चरण रहा, इस दौरान प्रतिबंधों में कुछ ढील दी गई, जून माह से अनलॉकिंग की प्रक्रिया शुरू हुई, जिसका पहला चरण 1 जून से 30 जून तक रहा, इस दौरान प्रतिबंधित जोनों को छोड़कर अन्य क्षेत्रों में लगभग सभी गतिविधियों से पाबंदियाँ हटा दी गई। हालांकि विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, अन्तर्राष्ट्रीय उड़ानों, भोजनालयों आदि पर पाबंदियाँ जारी रही। अनलॉकिंग का दूसरा चरण 1 जुलाई से 31 तक रहा। वायरस के प्रसार को रोकने के लिए किए गए उपायों (सामाजिक दूरी, लॉकडाउन, कर्फ्यू, घरों में रहना आदि) के कारण भारी सामाजिक आर्थिक

*शोधार्थी, भूगोल विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.)
**सहायक आचार्य, भूगोल विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.)

नुकसान हुआ है। इन उपायों ने मानव की नियमित कार्ययोजना को बदल दिया है, और विभिन्न प्रकार के अपराधों के लिए अवसरों को सीमित और विस्तारित किया है (Miller & Blumstein, 2020½A Eisner & Nivette (2020) के अनुसार सामाजिक दूरी का अपराध पर सबसे बड़ा प्रभाव पड़ने की संभावना है। सख्त और लम्बे समय तक लॉकडाउन के कारण आर्थिक गतिविधियाँ गंभीर रूप से प्रभावित होती है, और बेरोजगारी बढ़ती है, जो अपराध और महिलाओं के खिलाफ हिंसा को प्रभावित करने वाले प्रासंगिक कारक है (Mocan & Bali, 2010)। प्रस्तुत शोधपत्र कोविड–19 महामारी के चलते घोषित लॉकडाउन के दौरान राजस्थान में सम्पत्ति अपराधों में आए परिवर्तनों के तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित है। प्रदेश में अभी तक कोविड–19 और अपराध पर अध्ययन नहीं हुआ है अतः प्रस्तुत शोध कार्य इस दिशा में एक प्रयास है।

उद्देश्य

1 राजस्थान मे पूर्व लॉकडाउन, लॉकडाउन और अनलॉकिंग के दौरान विभिन्न सम्पत्ति अपराधों में आए परिवर्तन का तुलनात्मक अध्ययन करना।

2 जनवरी से जुलाई माह के दौरान विभिन्न सम्पत्ति अपराधों की वृद्धि दर एवं योगदान में आए परिवर्तन का अध्ययन करना।

3 भविष्य के लिए कुछ सुझाव प्रस्तुत करना।

आँकड़ा एवं विधितन्त्र

प्रस्तुत शोधपत्र द्वितीय आँकड़ों पर आधारित है, जिनका संकलन राजस्थान पुलिस की मासिक अपराध प्रतिवेदन से किया गया है। इस शोधकार्य में हमने कोविड–19 के दौरान (जनवरी से जुलाई माह तक) राजस्थान में विभिन्न सम्पत्ति अपराधों में आए परिवर्तनों का अध्ययन किया है, तथा इसकी तुलना पिछले वर्ष के मासिक अपराध स्तर से की है। लॉकडाउन के कारण सम्पत्ति अपराधों की विभिन्न श्रेणियों (कुल, डकैती, लूट, गृहभेदन एवं चोरी) में आए परिवर्तनों को समझने के लिए अपराधों की मासिक वृद्धि दर एवं योगदान में आए परिवर्तन का अध्ययन किया गया है। अपराधों के सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए प्रतिशत एवं अपराध वृद्धि दर का सहारा लिया गया है। अपराध वृद्धि दर की गणना निम्न सूत्र के माध्यम से की गई है–

$$\frac{C_1 - C_0}{C_0} \text{x } 100$$

C_1= वर्तमान वर्ष / माह में अपराध

C_0 = पूर्ववर्ती वर्ष / माह में अपराध

साहित्य की समीक्षा

2009 में Zahran एवं अन्य द्वारा किए गए एक अध्ययन में प्राकृतिक आपदा को कुल अपराधों में कमी, परन्तु हिंसा में वृद्धि से सम्बन्धित पाया। Eisner & Nivette (2020) के अनुसार वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लागू किए गए लॉकडाउन और अन्य उपायों ने नियमित गतिविधियों को बदल दिया है, जिसका अपराध पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। लॉस एंजेलिस में 28 मार्च तक हुए एक अध्ययन के अनुसार चोरी, लूट और कुल अपराधों में कमी हुई है जबकि हत्या और अतरंग साथी द्वारा हिंसा अपरिवर्तित रहे है (Campedelli एवं अन्य, 2020)। कोविड–19 के दौरान स्वीडन में हुए अपराधों पर (Gerell एवं अन्य, 2020) ने अध्ययन किया, उनके मतानुसार कोरोना वायरस का मुकाबला करने के लिए सरकार द्वारा लागू की गई पाबंदियों का अपराधों पर प्रभाव पड़ा है। इस दौरान जेबकतरा में सर्वाधिक कमी और कुल अपराध, गृहभेदन और हिंसा में भी सार्थक कमी हुई है। Payne and Morgan (2020) ने क्वींसलैंड, आस्ट्रेलिया में ARIMA मॉडल द्वारा छः माह के लिए सम्पत्ति अपराधों की भविष्यवाणी की, एवं इनकी तुलना मार्च, 2020 में अभिलिखित सम्पत्ति अपराधों से की, और पाया कि दुकान चोरी एवं अन्य चोरी अपेक्षित स्तर से कम रहे है जबकि गृहभेदन और वाहन चोरी अपरिवर्तित रहे है। एक अन्य अध्ययन में (Poblete - Cazenave, 2020) ने बिहार राज्य में लॉकडाउन का आपराधिक गतिविधियों पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन किया। उनके मतानुसार लॉकडाउन के कारण कुल अपराध में 44%, चोरी में 63%, गृहभेदन में 49%, लूट में 56%] हत्याओं में 61%] अपहरण में 88%, दंगों में 77%, और महिलाओं के खिलाफ अपराध में 64% की कमी आई है। इस प्रकार विविध प्रकृति के बावजूद सभी अपराध श्रेणियों पर लॉकडाउन का प्रभाव पड़ा है।

विश्लेषण एवं विवेचना

जनवरी व फरवरी माह के दौरान सम्पत्ति अपराधों में आए परिवर्तनों का सम्बन्ध कोविड–19 महामारी से नहीं है, क्योंकि राज्य में वायरस का प्रभाव व लॉकडाउन की शुरूआत मार्च में हुई थी। तालिका 1 से स्पष्ट होता है कि मार्च से जुलाई माह तक सम्पत्ति अपराध की सभी श्रेणियों में पिछले वर्ष की तुलना में कमी आई है।

Table 1. Month-wise percentage changes in property crime in Rajasthan, 2019-20

Month	Dacoity			Robbery			Burglary			Theft			Total		
	2019	2020	Change (%)	2019	2020	Change (%)	2019	2020	Change (%)	2019	2020	Change (%)	2019	2020	Change (%)
January	11	6	-45.45	121	77	-36.36	652	582	-10.73	3691	3006	-18.55	4475	3671	-17.96
February	5	7	40	93	127	36.55	566	642	13.42	2922	3090	5.74	3586	3866	7.8
March	6	8	33.33	122	81	-33.6	434	426	-1.84	2760	2207	-20.03	3322	2722	-18.06
April	4	5	25	84	31	-63.09	442	221	-50	2791	559	-79.97	3321	816	-75.42
May	9	8	-11.11	140	44	-68.57	648	323	-50.15	3917	1158	-70.43	4714	1533	-67.47
June	16	12	-25	145	95	-34.48	776	449	-42.13	4404	2146	-51.27	5341	2702	-49.41
July	19	5	-73.68	155	114	-26.45	769	569	-26	4324	2807	35.08	5267	3495	-33.64

Source : Rajasthan Police, Jaipur, 2020

Fig 1. Month-wise comparision of property crime(2019-2020)

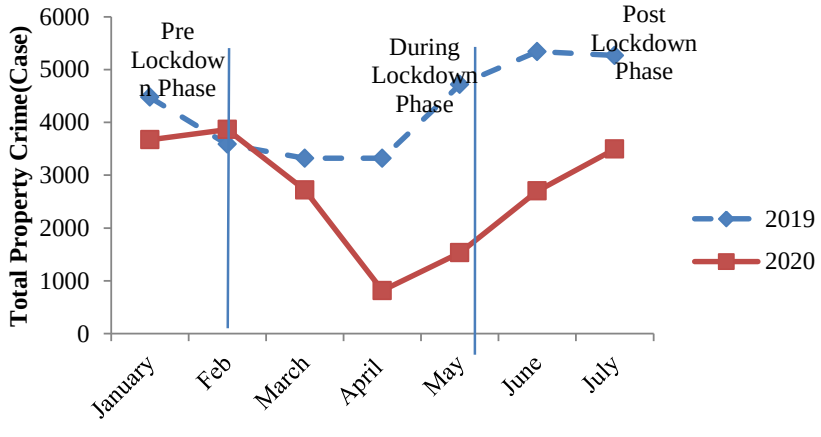

पूर्ण लॉकडाउन होने के कारण अप्रैल माह में सभी अपराध श्रेणियों में भारी कमी आई है। इस दौरान पिछले वर्ष की तुलना में सम्पत्ति अपराध में लगभग 75%, चोरी में लगभग 80%, गृहभेदन में 50% और लूट में 63% कम मामले दर्ज हुए है। एक ओर लॉकडाउन के कारण अधिक लोग घर पर रह रहे है, जिससे गृहभेदन के अवसरों में कमी आई है वही दूसरी ओर सड़कों पर संभावित शिकारों की कमी भी अपराध में कमी का मुख्य कारण है। पिछले वर्ष एवं वर्तमान वर्ष के अपराध स्तर में सर्वाधिक अंतर (75%) पूर्ण लॉकडाउन (अप्रैल माह) के दौरान रहा है, परन्तु जैसे–जैसे लॉकडाउन में छूट दी जा रही है, वैसे–वैसे यह अन्तर कम हो रहा है (देखें चित्र 1)।

Table 2. Growth rate of property crime (2020)

Month	Dacoity		Robbery		Burglary		Theft		Total	
	Case	Growthrate	Case	Growthrate	Case	Growthrate	Case	Growthrate	Case	Growthrate
January	6		77		582		3006		3671	
February	7	16.66	127	64.93	642	10.3	3090	2.79	3866	5.31
March	8	14.28	81	-36.22	426	-33.64	2207	-28.57	2722	-29.59
April	5	-37.5	31	-61.72	221	-48.21	559	-74.67	816	-70.02
May	8	60	44	41.93	323	46.15	1158	107.15	1533	87.86
June	12	50	95	115.9	449	39	2146	85.31	2706	76.51
July	5	-58.33	114	20	569	26.72	2807	30.8	3495	29.15

Source : Rajastha police, Jaipur, 2020

तालिका–2 में विभिन्न सम्पत्ति अपराधों की वृद्धि दर के अध्ययन से ज्ञात होता है कि मार्च और अप्रैल माह (पूर्ण लॉकडाउन) के दौरान सम्पत्ति अपराधों की वृद्धि दर ऋणात्मक रही है। सर्वाधिक ऋणात्मक वृद्धि अप्रैल में रही है, इस दौरान कुल सम्पत्ति अपराध में लगभग 70%, चोरी में लगभग 75%, गृहभेदन में लगभग 48%, लूट में लगभग 62%, और डकैती में लगभग 37% की कमी आई है, जबकि पूर्व लॉकडाउन एवं अनलॉकिंग की प्रक्रिया के दौरान अपराध वृद्धि दर धनात्मक रही है।

Table 3. Month-wise contribution of different crime in total property crime (2020)

Month	Total property crime	Percentage of total property crime			
		Dacoity	Robbery	Burglary	Theft
January	3671	0.16	2.1	15.85	81.89
February	3866	0.18	3.28	16.61	79.93
March	2722	0.29	2.98	15.65	81.08
April	816	0.61	3.8	27.08	68.51
May	1533	0.52	2.87	21.07	75.54
June	2702	0.44	3.52	16.62	79.42
July	3495	0.14	3.26	16.28	80.32

Source : Rajastha police, Jaipur, 2020

उपरोक्त परिणाम इस तथ्य का समर्थन करते है कि लॉकडाउन के कारण सम्पत्ति अपराध के लिए अवसरों में कमी आई है, जिससे सम्पत्ति अपराध की सभी श्रेणियों (कुल सम्पत्ति अपराध, चोरी, लूट, गृहभेदन और डकैती) में कमी आई है। लॉकडाउन के दौरान कुल सम्पत्ति अपराधों में विभिन्न सम्पत्ति अपराधों के योगदान में कोई अन्तर नहीं आया है, इस दौरान सर्वाधिक योगदान चोरी का रहा है। इसके बाद क्रमशः गृहभेदन, लूट और डकैती का योगदान रहा है (देखे तालिका 3)।

निष्कर्ष एवं सुझाव

प्रस्तुत शोधकार्य के परिणामों से पता चलता है कि लॉकडाउन के दौरान सम्पत्ति अपराधों में पिछले वर्ष एवं माह दोनों ही दृष्टि से कमी आई है अतः स्पष्ट है कि कोरोना वायरस के चलते घोषित पाबंदियों (लॉकडाउन, कर्फ्यू, सामाजिक दूरी) ने सम्पत्ति अपराधों के लिए अवसरों को कम किया है। हालांकि हमें इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि सामाजिक दूरी जैसी पाबंदियों के कारण लोग घर के बाहर नहीं जाने को प्राथमिकता दे रहे है जिससे अपराधों के कम दर्ज होने की संभावना भी बनी रहती

है। शोध परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि जब से अनलॉकिंग की प्रक्रिया (जून 2020) शुरू हुई है तब से सम्पत्ति अपराधों में पुनः वृद्धि हुई है। चूंकि कोविड–19 महामारी के परिणामस्वरूप अनेक लोग रोजगार विहीन हो गये है तथा आर्थिक संकट का सामना कर रहे है, जिससे भविष्य में अपराधवृत्ति के और अधिक बढ़ने की संभावना है जिसको ध्यान में रखते हुए सरकार व पुलिस प्रशासन को उचित कदम उठाने की आवश्यकता है। अधिक जनसंख्या वाले क्षैत्रों तथा सार्वजनिक स्थलों सहित अन्य अपराध विभव क्षैत्रों की पहचान करके आगे की रणनीति तैयार करनी होगी जिससे अपराधों पर नियंत्रण किया जा सके। आम जनता को भी चोरी, डकैती, लूट, गृहभेदन आदि अपराधों के भविष्य में बढ़ने की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कदम उठाने होंगे जिनमें से प्रमुख निम्न है–

- यदि आप रात को अकेले सफर कर रहे है तो अतिरिक्त सावधानी रखे, सड़क पर चलते समय मोबाइल पर बात करना, गाने सुनना जोखिम भरा हो सकता है अतः मोबाइल को जेब में रखें।
- यदि आपको लगता है कि कोई आपका पीछा कर रहा है तो आप सुरक्षित स्थान पर रूक जाए तथा उचित कदम उठाए।
- यदि जरूरी न हो तो रात को सफर करने से बचे तथा रात को एटीएम का उपयोग भी न करें।
- जब घर पर कोई न हो तो घर छोड़ते समय सभी खिड़कियों एवं दरवाजों को अच्छी तरह लॉक करें।
- घर से बाहर निकलते समय आवश्यकतानुसार ही नकदी रखे और जिन महत्वपूर्ण दस्तावेजों की जरूरत न हो उन्हे घर पर ही रखें।
- घर और सार्वजनिक स्थानों पर अपना वाहन खड़ा करते समय सुरक्षा का ध्यान रखें।
- यदि आप घर पर अकेले है और कुछ लोग कोरोना परीक्षण करने आते है तो सर्वप्रथम उनके पहचान पत्र की जाँच करे क्योंकि डॉक्टर की वेशभूषा में वे अपराधी भी हो सकते है अतः जब यह सुनिश्चित हो जाए कि वास्तव में वे कोरोना परीक्षण करने वाले है तब ही उनको घर में आने दे।

सन्दर्भ :

- Campedelli, G.M., Aziani, A., & Favarin, S. (2020, March 23). Exploring the Effect of 2019-nCoV Containment Policies on Crime: The Case of Los Angeles. https://doi.org/10.31219/osf.io/9cpq8
- Department of Medical, Health& Family Welfare (2020). http://www.rajswasthya.nic.in/Corona% 20Virus.htm
- Eisner, M. & Nivette, A. (2020). Violence and the Pandemic. Urgent Questions for Research. HFG Research and Policy in Brief.
- Gerell, M., Kardell J., & Kindgren J. (2020, May2). Minor covid-19 association with crime in Sweden, a ten week follow up. https://doi.org/10.31235/osf.io/w7gka
- Miller, J.M., Blumstein, A. (2020). Crime, Justice& the COVID-19 Pandemic: Toward a Narional Research Agenda. *American Journal of Crimal Justice*. 45: 515-524. https://doi.org/10.1007/s12103-020-09555-z
- Mocan, H Naci and Turan G Bali (2010). "Asymmetric crime cycles", *The Review of Economics and Statistics*, 92(4): 899-911.
- Monthly Crime Repant (January-July,2020). Rajasthan Police, Jaipur. https://www.police.rajasthan. gov.in/
- Poblete-Cazenave, R (2020). 'The Great Lockdown and Criminal Activity-Evidence from Bihar, India', 8 June 2020. http://www.ideasforindia.in/topics/miscellany/covid-19-lockdwon-and-crimal-activity-evidence-from-bihar.html.
- World Health Organization (2020). http://www.who.int/news-room/detail/27-04-2020-who-timeline---covid-19
- Zahran, S., Shelley, T., Peek, L., & Brody, S. (2009). Natural Disasters and Social Order: Modeling Crime Outcomes in Florida. *International Journal of Mass Emergencies and Disasters*, 27(1): 26-52.